जय काली मैया जय काली अमावस की रात है

जय काली मैया जय काली अमावस की रात है ये काली,
अमावस की रात है ये काली काला ही रूप धरे माता माँ काली,
जय काली मैया जय काली अमावस की रात है ये काली,

छम छम छम छम आई महाकाली रे आई महाकाली रे,
दर पे संगारने आई महाकाली रे आई महाकाली ,
रक्त बीज को मारे महाकाली,
जय काली मैया जय काली अमावस की रात है ये काली,

अमावस की रात में घूम रही काली रे घूम रही काली,
लट खोल के झूम रही काली रे,संग में घूमे है औगड़दानी,
नील नेत्र खोल के मारे किलकारी,
जय काली मैया जय काली अमावस की रात है ये काली,

दानव दलन को मार रही काली रे काट रही काली,
मोरही का रूप धरे मरघट वाली रे मरघट वाली
मुंडो की माला पहने है काली खून का प्याला पी गई काली,
जय काली मैया जय काली अमावस की रात है ये काली,

Source:
https://www.bharattemples.com/jai-kaali-maiya-jai-kaali-amavas-ki-raat-hai/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw